भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 922
दिनांक 25.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत-पाक संघर्ष विराम में अमेरिका की भूमिका

922. डॉ. मोहम्मद जावेदः

श्री दीपक अधिकारी (देव):

श्रीमती माला रायः

श्री सु. वेंकटेशनः

श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम अमेरिकी हस्तक्षेप के कारण हुआ और यह उस समय हुआ जब भारतीय सशस्त्र बलों को पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई में बढ़त प्राप्त थी और कार्रवाई आरम्भ हुए मात्र तीन दिन ही हुए थे और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या संघर्ष विराम की घोषणा से पूर्व भारत और अमेरिका के बीच कोई संप्रेषण या उच्च-स्तरीय बैठक हुई थी और यदि हाँ, तो बैठक में हुई चर्चाओं के प्रमुख बिंदुओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मई, 2025 में भारत-पाक संघर्ष विराम में अमेरिका की सरकार या राष्ट्रपति की कोई भूमिका रही और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इस प्रकार की भ्रामक अफवाहों को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या अमेरिका ने भारत को पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम स्वीकार करने हेतु व्यापारिक शुल्क में रियायतों को एक दबाव के साधन के रूप में प्रयुक्त किया और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या भारत द्वारा अमेरिका को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि कश्मीर मुद्दे पर भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क से ङ) भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सीधे संपर्क के परिणामस्वरूप 10 मई को गोलीबारी और सैन्य गतिविधियों को रोकने पर सहमत हुए। इस संपर्क की पहल पाकिस्तानी पक्ष द्वारा की गई थी। भारत ने 8 मई को ही पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में निर्दिष्ट आतंकवादी अवसंरचना को ध्वस्त करने के संबंध में अपने मुख्य उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया था।

22 अप्रैल, जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था, से लेकर 10 मई, तक, संयुक्त राज्य अमेरिका सहित विभिन्न स्तरों पर विभिन्न देशों के साथ कई राजनयिक वार्ताएँ हुईं। हमारे सभी वार्ताकारों को एक ही संदेश दिया गया कि भारत का दृष्टिकोण केंद्रित, संतुलित और गैर- उकसावे वाली प्रकृति का है।

विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंध में, 9 मई को उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस को यह बताया गया कि यदि पाकिस्तान कोई बड़ा हमला करता है तो भारत इसका उचित प्रतिउत्तर देगा। संघर्ष से संबंधित बातचीत के संदर्भ में हमारी व्यापार चर्चाओं से संबंधित मुद्दे को नहीं उठाया गया।

जहाँ तक किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के प्रस्ताव का सवाल है, हमारा दीर्घकालिक रुख यही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी लंबित मुद्दे पर केवल द्विपक्षीय रूप से ही चर्चा की जाएगी। यह बात सभी देशों को स्पष्ट कर दी गई है और प्रधानमंत्री द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति को भी इससे अवगत करा दिया गया है।

*****